

५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५ ५५५५
II-174

ली

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
॥ ॐ नमो भगवते
वायनमः ॥ १ ॥
ॐ नमो भगवते वायनमः ॥ २ ॥
ॐ नमो भगवते वायनमः ॥ ३ ॥
ॐ नमो भगवते वायनमः ॥ ४ ॥



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
आर्यावलीकृतं
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

१

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ११ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १२ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १३ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १४ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १७ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १८ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १९ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २० ॥

ला

नायनमः ॥ १५ ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १६ ॥ ॐ नमो
वज्रधनुर्लोकेश्वराय ॥ १७ ॥ ॐ नमो महारुद्रलोकेश्वराय ॥
॥ १८ ॥ ॐ नमो विश्वरूपलोकेश्वराय ॥ १९ ॥ ॐ नमो सुखान-
दिलोकेश्वराय ॥ २० ॥ ॐ नमो सुप्रसन्नार्थवाहलोकेश्वराय-
नमः ॥ २१ ॥ ॐ नमो मेघप्रसन्नार्थवाहलोकेश्वराय ॥ २२ ॥ ॐ नमो
भूमिकारुलोकेश्वराय ॥ २३ ॥ ॐ नमो भूतनादिलोकेश्वराय

नमः ॥ २४ ॥ ॐ नमो महावज्रसत्त्वलोकेश्वराय ॥ २५ ॥ ॐ नमो
सिंहनादलोकेश्वराय ॥ २६ ॥ ॐ नमो हलाहललोकेश्वराय ॥
॥ २७ ॥ ॐ नमो धर्मवक्त्रलोकेश्वराय ॥ २८ ॥ ॐ नमो घटकुनि-
लोकेश्वराय ॥ २९ ॥ ॐ नमो घनविजयलोकेश्वराय ॥ ३० ॥ ॐ
नमो रुक्मांगललोकेश्वराय ॥ ३१ ॥ ॐ नमो वृक्षलोकेश्वराय
नमः ॥ ३२ ॥ ॐ नमो भूमाघपातलोकेश्वराय ॥ ३३ ॥ ॐ नमो व-

लो

संरुलाकधवायनमः॥३४॥ॐ नमो कमलतन्त्रलाकधवायनमः॥
॥३५॥ॐ नमो पिंडुपाकुलाकधवायनमः॥३६॥ॐ नमो कान्तनदलाकधवायनमः॥३७॥ॐ नमो श्रीमंरुलाकधवायनमः॥३८॥ॐ नमो पयस्यकिलाकधवायनमः॥३९॥ॐ नमो लालकनाथलाकधवायनमः॥४०॥ॐ नमो लालकधनलाकधवायनमः॥४१॥ॐ नमो नित्यलाकधवायनमः॥४२॥ॐ नमो मायाशालहनिहकलाकधवायनमः॥

3

॥४३॥ॐ नमो शैलाकवसंरुकनलाकधवायनमः॥४४॥ॐ नमो कलकालाकधवायनमः॥४५॥ॐ नमो निलकंथलाकधवायनमः॥४६॥ॐ नमो मायाशाललाकधवायनमः॥४७॥ॐ नमो सिलचकलाकधवायनमः॥४८॥ॐ नमो भूरुयंकविलाकधवायनमः॥४९॥ॐ नमो धर्मसंखलाकधवायनमः॥५०॥ॐ नमो नित्यपनलाकधवायनमः॥५१॥ॐ नमो नलपानिलाकधवायनमः॥५२॥

ॐ

॥ ॐ नमो भगवते नलाकेश्वराय नमः ॥ ५३ ॥ ॐ नमो भगवते नलाकेश्वराय
नमः ॥ ५४ ॥ ॐ नमो भगवते विहङ्गलाकेश्वराय नमः ॥ ५५ ॥ ॐ नमो भगवते
नार्थवाङ्मलाकेश्वराय नमः ॥ ५६ ॥ ॐ नमो भगवते भूकललाकेश्वराय नमः
॥ ५७ ॥ ॐ नमो भगवते कान्तिवर्जलाकेश्वराय नमः ॥ ५८ ॥ ॐ नमो भगवते
वज्रलाकेश्वराय नमः ॥ ५९ ॥ ॐ नमो भगवते उर्वरुलाकेश्वराय नमः ॥ ६० ॥
॥ ॐ नमो भगवते सूर्यलाकेश्वराय नमः ॥ ६१ ॥ ॐ नमो भगवते विक्रान्तलाकेश्वराय

नमः ॥ ६२ ॥ ॐ नमो भगवते गङ्गलाकेश्वराय नमः ॥ ६३ ॥ ॐ नमो भगवते
आकाशलाकेश्वराय नमः ॥ ६४ ॥ ॐ नमो भगवते नन्दुगलिलाकेश्वराय नमः
॥ ६५ ॥ ॐ नमो भगवते सागजगन्तिनलाकेश्वराय नमः ॥ ६६ ॥ ॐ नमो भगवते
विहङ्गलिलाकेश्वराय नमः ॥ ६७ ॥ ॐ नमो भगवते सिंहविक्रीदिललाकेश्वराय
नमः ॥ ६८ ॥ ॐ नमो भगवते रुक्मिणीदायलाकेश्वराय नमः ॥ ६९ ॥ ॐ नमो भगवते
अरिचिम्बेनलाकेश्वराय नमः ॥ ७० ॥ ॐ नमो भगवते विक्रान्तला

ला

कथं नायनमः ॥ ११ ॥ उं न मा स न द स ला क थ नायनमः ॥ १२ ॥ उं न मा व
जा स न ला क थ नायनमः ॥ १३ ॥ उं न मा गु रु गु फ ला क थ नायनमः
॥ १४ ॥ उं न मा आ का स ग रू ला क थ नायनमः ॥ १५ ॥ उं न मा भ घ व
नि ला क थ नायनमः ॥ १६ ॥ उं न मा अ नि च्छि य रू न ला क थ नायन
मः ॥ १७ ॥ उं न मा अ ख रू ह रू ला क थ नायनमः ॥ १८ ॥ उं न मा स व
नी व रू वि रू रू ला क थ नायनमः ॥ १९ ॥ उं न मा रू ख रू ला क थ ना

यनमः ॥ २० ॥ उं न मा सा ग न म नि ला क थ नायनमः ॥ २१ ॥ उं न मा ध
र्म ध न म ला क थ नायनमः ॥ २२ ॥ उं न मा ग रा धि य नि ला क थ ना
यनमः ॥ २३ ॥ उं न मा स मू रू ला क थ नायनमः ॥ २४ ॥ उं न मा न त्र
कि रू नि ला क थ नायनमः ॥ २५ ॥ उं न मा स क दि ह ला क थ नायन
मः ॥ २६ ॥ उं न मा य न मा रू न ला क थ नायनमः ॥ २७ ॥ उं न मा द रू
वि रू नि ला क थ नायनमः ॥ २८ ॥ उं न मा स र्य मू रू ला क थ नायनमः

लो

॥ ८२ ॥ उं नमो विन्दु लोक ॥ वायनमः ॥ ८३ ॥ उं नमो कलविन्दु लोक
॥ वायनमः ॥ ८४ ॥ उं नमो धर्मपिथ लोक ॥ वायनमः ॥ ८५ ॥ उं नमो
पद्ममालंकान लोक ॥ वायनमः ॥ ८६ ॥ उं नमो घोरुषिय लोक ॥ वायनमः ॥ ८७ ॥ उं नमो
वक्रसुहिल लोक ॥ वायनमः ॥ ८८ ॥ उं नमो विनिविष्णु लोक ॥ वायनमः ॥ ८९ ॥ उं नमो
विन्दु लोक ॥ वायनमः ॥ ९० ॥ उं नमो इन्द्रहिल लोक ॥ वायनमः ॥ ९१ ॥ उं नमो निखि

पुंगव लोक ॥ वायनमः ॥ ९२ ॥ उं नमो दत्तहिल लोक ॥ वायनमः ॥ ९३ ॥ उं नमो सर्वरु लोक ॥ वायनमः ॥ ९४ ॥ उं नमो कनकाहिल लोक
॥ वायनमः ॥ ९५ ॥ उं नमो उग्रिष लोक ॥ वायनमः ॥ ९६ ॥ उं नमो
महेश्वर लोक ॥ वायनमः ॥ ९७ ॥ उं नमो शिवकाकाल लोक ॥ वायनमः ॥ ९८ ॥ उं नमो
सिंहिल लोक ॥ वायनमः ॥ ९९ ॥ उं नमो विविध
लोक ॥ वायनमः ॥ १०० ॥ उं नमो मनिदक लोक ॥ वायनमः ॥

ॐ

॥ १०८ ॥

समाप्त ॥

॥ श्री ॥

॥ १०९ ॥

॥ ॐ निशीलाक्षय नमः नमः नमः नमः नमः नमः ॥

द्वयं रत्नं ब्रह्मचर्यं सुरतं श्री महाविहारं

II-174